University in News on 26 January 2020

Amar Ujala- My City Page 5

लखनऊ विवि ने बनाई परीक्षा सुधार समिति

राजभवन के निर्देश पर किया गया समिति का गठन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में हुए एलएलबी पेपर लीक मामले का राजभवन ने भी संज्ञान लिया है। राजभवन के निर्देश पर लविवि प्रशासन ने एक नई परीक्षा सुधार समिति का गठन किया है। इस समिति को एक महीने के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया है। राजभवन के निर्देश पर बनाई गई इस समिति की अध्यक्षता एकेटीयू के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कुमार करेंगे। समिति में इसके अलावा बीएचयू के संयुक्त कुलसचिव अवधेश कुमार तथा लविवि के परीक्षा नियंत्रक डॉ. एके मिश्रा को शामिल किया गया है।

लविवि में 11 दिसंबर को एलएलबी थ्री ईयर के तीसरे सेमेस्टर के पेपर के संबंध में ऑडियो वायरल हुआ था। वायरल ऑडियो में एक महिला परीक्षार्थी को शिक्षकों द्वारा पेपर में आने वाले प्रश्न बताने की बात कही जा रही है। इस पर मुख्यमंत्री के निर्देश पर एसटीएफ की जांच करवाई गई है। एसटीएफ ने जांच पूरी करके अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंप दी है। लविवि ने भी इस मामले में परीक्षा सुधार समिति का गठन किया किया था। इस रिपोर्ट के आधार पर लविवि प्रशासन ने एलएलबी थ्री ईयर के तीसरे सेमेस्टर की पूरी परीक्षा फिर से कराने की सिफारिश की थी। अब राजभवन के निर्देश पर लविवि प्रशासन ने परीक्षा कार्य सुधार समिति का गठन किया है। इस समिति को विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग तथा कामकाज की विभिन्न भागों से बात करके समीक्षा करनी है। जांच पूरी करके एक महीने में अपनी रिपोर्ट देनी है।

एकेटीयू के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कुमार होंगे समिति के अध्यक्ष, समिति एक माह में सौंपेगी अपनी रिपोर्ट

लविवि कुलसचिव ने कार्यभार संभाला

लखनऊ। लविवि में शनिवार को विनोद कुमार सिंह ने कुलसचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। अब कानपुर विवि में कुलसचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे विनोद कुमार सिंह को शैलेश कुमार शुक्ला के स्थान पर लविवि का कुलसचिव नियुक्त किया गया है। लविवि में एलएलबी पेपर लीक मामले में हुई जांच के बाद यह बड़ा बदलाव हुआ है। शैलेश कुमार शुक्ला को उनके काम से विरत किया गया है।

“ राजभवन सचिवालय के निर्देश पर परीक्षा सुधार समिति का गठन किया गया है। यह समिति विभिन्न स्टैकहोल्डर से बात करके अपनी रिपोर्ट एक महीने में दाखिल करेगी।

-**डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव**, प्रवक्ता, लविवि